

## The Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis and Zila Parishads (Alpakalik Vyavastha) Adhiniyam, 1972

Act 7 of 1972

Keyword(s): Agricultural Produce, Broker of Dalal, Market Area, Sale, Specified Agricultural Produce, Purchase

Amendments appended: 11 of 1979, 4 of 1981, 27 of 1982, 1 of 1983, 18 of 1983, 20 of 1984, 14 of 1985, 16 of 1986, 18 of 1988, 22 of 1989, 3 of 1990, 11 of 1990, 16 of 1991, 21 of 1991, 2 of 1993, 6 of 1994, 2 of 1995, 5 of 1997, 7 of 1999, 10 of 2001,

DISCLAIMER: This document is being furnished to you for your information by PRS Legislative Research (PRS). The contents of this document have been obtained from sources PRS believes to be reliable. These contents have not been independently verified, and PRS makes no representation or warranty as to the accuracy, completeness or correctness. In some cases the Principal Act and/or Amendment Act may not be available. Principal Acts may or may not include subsequent amendments. For authoritative text, please contact the relevant state department concerned or refer to the latest government publication or the gazette notification. Any person using this material should take their own professional and legal advice before acting on any information contained in this document. PRS or any persons connected with it do not accept any liability arising from the use of this document. PRS or any persons connected with it shall not be in any way responsible for any loss, damage, or distress to any person on account of any action taken or not taken on the basis of this document.

## उत्तर प्रदेश कृषि उत्पादन मण्डी समिति (ग्रल्पकालिक व्यवस्था)ग्रशितियम, 1972

### (उत्तर प्रदेश ग्रधिनियम संख्य 7, 1972)

[ उतर प्रदेश विधान परिषद् ने दिनांक 4-1-72 ई० तथा उत्तर प्रदेश विधान समा ने दिनांक 10-1-72 ई॰ की बैठक में स्वीकृत किया ।]

['भारत का संविधान' के अनुकठेद 200 के अन्तर्गत राज्यपाल ने दिनांक 19-1-72 विधान जिन्हाला का संविधान की तथा उत्तर प्रदेशीय सरकारी असाधारण गजर में जिन्हेन का 19-1-72 विधान जिन्हाला का स्वीकृति प्रदान की तथा उत्तर प्रदेशीय सरकारी असाधारण गजर में जिन्हेन का 19-1-72 विधान जिन्हाला का स्वीकृति प्रदान की तथा उत्तर प्रदेशीय सरकारी असाधारण गजर में जिन्हेन का 19-1-72 विधान जिन्हे के जात्राज का स्वीकृति प्रदान की तथा उत्तर प्रदेशीय सरकारी असाधारण गजर में जिन्हेन का 19-1-72 विधान जिन्हे के जात्राज का स्वीकृति प्रतान की तथा उत्तर प्रदेशीय सरकारी असाधारण गजर में जिन्हेन का 19-1-72 विधान जिन्हे के जात्राज का स्वीकृत के जात्राज का स्वीकृति प्रतान की तथा उत्तर प्रदेशीय सरकारी असाधारण गजर में जिन्हे के जात्राज का स्वीकृति के जात्राज का स्वीकृत के जात्राज के जात्राज के जात्राज के जात्राज के जात्राज के जात्राज के प्रति के जात्राज के जात ई॰ को स्वीकृति प्रदान की तथा उत्तर प्रदेशीय सरकारी ग्रसाधारण गजट में दिनांक 22-1-72 ई॰ (राज्र की य प्रकाश के को प्रकाशित हुग्रा।] उत्तर प्रदर्श, लखेनऊ

उत्तर प्रदेश कृषि उत्पादन मण्डी अधिनियम, 1964 में संशोधन करने के लिए

### ग्रधि नियम

मारत गणराज्य के बाईसवें वर्ष में निम्नलिखित ग्रधिनियम बनाया जाता है :----

1----यह अधिनियम उत्तर प्रदेश कृषि उत्पादन मण्डी समिति (अल्पकालिक व्यवस्था) अधिनियम, 1972 कहलायेगा।

2---(1) दिनांक 30 ग्रक्तूबर, 1971 से उत्तर प्रदेश कृषि उत्पादन मण्डी ग्रथिनियम, 1964 (जिसे आगे उक्त अधिनियम कहा गया है) के उपबन्ध, दो वर्ष की अवधि के लिए अथवा जब तक उक्त अधिनियम की घारा 13 के अर्धान निर्वाचित मण्डी समिति स्थापित न हो, इसमें जो भी पहले हो, प्रत्येक मण्डी क्षेत्र के सम्बन्घ में जो उक्त दिनांक को विद्यमान था ग्रथवा उक्त ग्रवधि में घोषित किया जाय निम्नलिखित उपबन्घों के ग्रधीन रहते हए प्रभावी होंगे, ग्रर्थात---

(क) उक्त अधिनियम में किसी बात के होते हुए भी, प्रथम समिति, यदि कोई हो. के संभापति, उप सभापति तथा सदस्य ग्रपने-ग्रपने पद पर न रह जायेंगे ;

(स) मण्डी क्षेत्र की ममिति, उसके सभापति तथा उप-सभापति के सभी ग्रधिकार, कृत्य तया कर्त्तव्य उस जिले के जिला मजिस्ट्रेट में निहित होंगे जिसमें प्रधान मण्डी स्थल स्थित हो ग्रोर उक्त जिला मजिस्ट्रेट द्वारा ही उनका प्रयोग, निष्पादन तथा पालन किया जाएगा, मौर उक्त जिला मजिस्ट्रेंट, जैसा भी ग्रवसर के अनुसार अपेक्षित हो, विधि की दृष्टि में समिति या उसका समापति भथवा उप-समापति समझा जाएगा ;

(ग) राज्य सरकार के किन्हीं सामान्य या विशेष म्रादेशों के ग्रघीन रहते हए. जिला मजिस्ट्रेंट पिछले अन्तिम खण्ड द्वारा उसे प्रदत्त सभी या किन्हीं अधिकारों के सम्बन्ध में इस प्रकार प्रदत्त अधिकारों को, ऐसी शतों और प्रतिबन्धों के प्रधीन, जो वह आरोपित करना उचित समझे, ग्रपने द्वारा तदर्थ निर्दिष्ट किसी अधिकारी को प्रतिनिहित कर सकता है;

(घ) राज्य सरकार समय-समय पर गजट में अधिसूचना द्वारा ऐसे प्रासंगिक या धानपंगिक उपबन्ध, जिनके ग्रन्तर्गत उक्त ग्रधिनियम के किसी उपबन्ध के ग्रनुकुलन, परिष्कार या उसके प्रवर्तन की पूर्ण ग्रयवा ग्रांशिक रूप से निलंबित करने का उपबन्ध भी है, किन्तु जिससे सार पर प्रभाव न पड़े, बना सकती है, जो उसे पूर्ववर्ती यथवा सम्बद्ध किसी भी प्रयोजनों के लिए प्रावश्यक या वाछनीय प्रतीत हो !

(2) उपघारा (1) के खंड (घ) के ग्रंधीन जारी की गयी प्रत्येक ग्रंघिसूचना जारी किए जाने के पश्चात यथाशक्य शीघ्र, राज्य विधान मंडल के प्रत्येक सदन के समक्ष, जब भी उसका सत्र हो रहा हो, उसके एक सत्र या एकाधिक मानुक्रमिक सत्रों में, कम से कम कुल चौदह दिन की मवधि पर्यन्त रक्खी जाएगी, और जब तक कि कोई बाद का दिनांक निर्धारित न किया जाय, गजट में प्रकाशित होने **के दिनांक से ऐसे परिष्कारों या ग्रभिशून्यनों के ग्र**घीन रहते हुए प्रभावी होगी, जो विषान मंडल के दोनों सदन उक्त ग्रवधि में करने के लिए सहमत हों, किन्तु इस प्रकार का कोई परिष्कार या ग्रभिशन्यन सम्बन्धित ग्रधिसूचना के ग्रधीन पहले की गयी किसी बात की वैधता पर प्रतिकृल प्रभाव न डालेगा।

3---उत्तर प्रदेश कृषि उत्पादन मण्डी समिति (ग्रल्पकालिक व्यवस्था) ग्रघ्यादेश, 1971 एतदद्वारा निरस्त किया जाता है।

उत्तर प्रदेश भष्यादेश संख्या 15, 1971 **का** निरसन

Price 05 Paise

**उट्टे**श्य ग्रौर कारण के विवरण के लिये क्रपया दिनांक 5-1-72 ई० का सरकारी ग्रसाधारण गजट देखिये । ]

पी० एस० यु० पी०---ए० पी० 306 जनरल (लेग०)---1972---1,855 (मे०) ।

संक्षिप्त, नाम

मण्डी समितियों के प्रशासन के सम्बन्ध मस्थायी र्मे उपबन्ध

135717

विधान पुरस्काल. (राजकीय प्रकारान) कत्तर प्रदेश, लखबह

L:A 15/79.11 corp.1 164151

# THE UTTAR PRADESH KRISHI UTPADAN MANDI SAMITIS (ALPAKALIK VYAWASTHA) (SANSHODHAN) ADHINIYAM, 1979

## [U. P. Act no. 11 of 1979]

[Authoritative English Text of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samiti (Alpkalik Vyawastha) (Sanshodhan) Adhiniyam, 1979, (Uttar Pradesh Adhiniyam Sankhya 11 of 1979]

#### An ACT

## further to amend the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) Adhiniyam, 1972

IT IS HEREBY enacted in the Thirtieth Year of the Republic of India as follows :--

1. (1) This Act may be called the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi S Samitis (Alpakalik Vyawastha) (Sanshodhan) Adhiniyam, 1979.

(2) It shall be deemed to have come into force on December 27, 1978.

2. In section 2 of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) Adhiniyam, 1972, hereinafter referred to as the principal Act, in sub-section (1), for the words "one year", the words "two years" shall be substituted and be deemed always to have been substituted.

(For Statement of Objects and Reasons, please see Uttar Pradesh Gazette (Extraordinary), dated March 24, 1979).

(Passed in Hindi by the Uttar Pradesh Legislative Assembly on March 26, 1979 and by the Uttar Pradesh Legislative Council on March 29, 1979.)

(Received the assent of the Governor on March '30, 1979, under Article 200 of the Constitution of India and was published in Part I (a) of the Legislative Supplement of the Uttar Pradesh Gazette Extraordinary, dated March 31, 1979).

Short title and commencement.

lei,

1

Amendment of section 2 of U.P. Act 7 of 1972. 3. Notwithstanding anything contained in the principal Act, or any other law for the time being in force, anything done or purporting to have been done, or any action taken or purporting to have been taken, or any order made or purporting to have been made (including any tax levied or fee charged) by—

(i) the *ad hoc* committee constituted in accordance with clause (a) of sub-section (1) of section 2 of the principal Act in the market areas where such committees have been constituted before the commencement of this Act; and

[A V:

fu

fo

**a**1

cl cl (a n a

r

U.P.

Dance of 19

(ii) the District Magistrate in the market areas where no such committees have been constituted before such commencement;

shall be deemed to be and always to have been as valid as if the provisions of this Act were in force at all material times.

4. (1) The Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) (Sanshodhan) Adhyadesh, 1979, is hereby repealed.

(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the provisions of the principal Act as amended by the said Adhyadesh shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of the principal Act as amended by this Act as if this Act were in force at all material times.

पी 0 ए स0यू 0पी 0-ए 0पी 0 206 सा0 (विथा0)-29-16-79-(2468)-1979-1837+50 SS (मेक 0) 1

Ropeal and savings.

### No. 812(2)/XVII-V-1-23-81

-----

#### Dated Lucknow, March 31, 1981

IN pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Uttar Pradesh Zila Parishad Aur Mandi Samiti (Karyakal Ka Vistar) Adhiniyam, 1981 (Uttar Pradesh Adhiniyam Sankhya 4 of 1981) as passed by the Uttar Pradesh Legislature and assented to by the Governor on March 31, 1981:

## THE UTTAR PRADESH ZILA PARISHADS AND MANDI SAMITIS (EXTENSION OF TERM) ACT, 1981

#### [U. P. ACT NO. 4 OF 1981]

#### (As passed by the ditar Pradesh Legislature)

#### An

#### ACT

further to extend the life of the Uttar Pradesh Zila Parishad (Alpakalik Vyawastha) 'Adhiniyam, 1977, and the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) Adhiniyam, 1972, and to validate the actions taken or purporting to have been taken under the last mentioned enactment.

IT IS HEREBY enacted in the Thirty-second Year of the Republic of India as follows :--

Short title.

1. This Act may be called the Uttar Pradesh Zila Parishads and Mandi Samitis (Extension of Term) Act, 1981.

Amendment of section 2 of U.P. Act no. 15 of 1977.

2. In section 2 of the Uttar Pradesh Zila Parishads (Alpakalik Vyawastha) Adhiniyam, 1977, in sub-section (1), for the words and figures "31st day of March, 1981", the words and figures "31st day of March, 1982" shall be substituted.

Amendment of section 2 of U.P. Act no. 7 of 1972.

3. In section 2 of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) Adhiniyam, 1972, hereinafter referred to as the principal Act, in sub-section (1), for the words "one year", the words "two years" shall be substituted, and be deemed to have been substituted with effect from March 5, 1981. 4. Notwithstanding anything contained in the principal 'Act or any other Validation. law for the time being in force, anything done or purporting to have been done, or any action taken or purporting to have been taken, or any order made or purporting to have been made '(including any tax levied or fee charged) by District Magistrate, or by any officer specified by him under clause [(c)] of sub-section '(1)] of section 2 of the principal 'Act shall be deemed to be and always to have been as valid as if the provisions of this 'Act were in force at all material times.

By order, G. B. SINGH, Sachiv.

With the

पी 0एस 0यू अपी 0 -- ए 0पी 0 2 राजपत (हि0) -- 1-4-81- (2)-1981-2045 (मेक 0) 1

## No. 2647(2)/XVII-V-1-1-(Ka)-4- 82

#### Dated Lucknow, September 22, 1982

IN pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, 12 Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Ittur Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samiti (Alpakalik Vyawastha) (Sanshodhan) Adhiniyam, 932 (Uttur Pradesh Adhiniyam Sankhya 27 of 1982) as passed by the Uttar Pradesh Legislature nd assented to by the Governor on September 15, 1982:

## THE UTTAR PRADESH KRISHI UTPADAN MANDI SAMITIS (ALPA-KALIK VYAWASTHA) (SANSHODHAN) ADHINIYAM, 1982

#### (U. P. ACT NO. 27 OF 1982)

## [As passed by the Uttar Pradesh Legislature]

## AN

#### ACT

## further to arnend the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) Adhiniyam, 1972

IT IS HEREBY enacted in the Thirty-third Year of the Republic of India as follows :

Short title and ommencement.

1. (1) This Act, may be called the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Sanitis (Alpakalik Vyawastha) (Sanshodhan) Adhiniyam, 1982.

(2) It shall be deemed to have come into force on February 20, 1982.

Amendment of 2. In section 2 of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis sction 2 of U.P. (Alpakalik Vyawastha) Adhiniyam, 1972, in sub-section (1), for the words "two sct no. 7 of 1972. years", the words "three years" shall be substituted.

Repeal and

3. (1) The Uttar Pratesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik U Vyawastha) (Sanshadhan) (Dwitiya) Adhyadesh, 1982, is hereby repealed.

U.P. Ordinance no. 14 of 1982.

(2) No vitistunding such repeal, anything done or any action taken under the provisions of the Act referred to in section 2, as amended by the Ordinance referred to in sub-section (1), shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of the said Act, as amended by this Act, as if the provisions of this Act were in force at all material times.

> By order, G. B. SINGH, Sachiv.

# No. 813/XVII-V-1-1(Ka)-5-83 Dated Lucknow, March 4, 1983

IN pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samiti (Alpakalik Vyawastha) (Sanshodhan) Adhiniyam, 1983 (Uttar Pradesh Adhiniyam Sankhya 1 of 1983) as passed by the Uttar Pradesh Legislature and assented to by the Governor on March 4, 1983:

# THE UTTAR PRADESH KRISHI UTPADAN MANDI SAMITIS (ALPAKALIK VYAWASTHA) (SANSHODHAN) ADHINIYAM, 1983

## (U. P. ACT NO. 1 OF 1983)

[As passed by the Uttar Pradesh Legislature]

AN

#### ACT

## further to amend the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) Adhiniyam, 1972

IT IS HEREBY enacted in the Thirty-fourth year of the Republic of India as follows:

Short title.

1. This Act may be called the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) (Sanshodhan) Adhiniyam, 1983.

Amendment of section 2 of U.P. Act no. 7 of 1972.

2. In section 2 of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis J.P. (Alpakalik Vyawastha) Adhiniyam, 1972, in sub-section (1), for the words "three years", the words "three years and three months" shall be substituted.

> By order, G. B. SINGH, Sachiy.

गी अप स अधू अपी 0--- ए अपी 0 337 सा 0 (पिधा 0)--- 5-- 3-- 83--- (3882)-- 1983--- 900 (मे क 0)।

## उत्तर प्रदेश ग्रसाधारण गज्ट, 21 सितम्बर, 1983

## No. 2706(2)/XVII-V-1-1Ka-17-83

Dated Lucknow, September 21, 1983

IN pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Semiti (Alpakalik Vyavastha) (Dwitiya Sanshodhan) Adhiniyam, 1983, (Uttar Pradesh Adhiniyam Sankhya 18 of 1983) as passed by the Uttar Pradesh Legislature and assented to the Governor on September 20, 1983:

## THE UTTAR PRADESH KRISHI UTPADAN MANDI SAMITIES (ALPAKALIK VYAWASTHA) (DWITI YA SANSHODHAN) ADHINI YAM, 1983

#### (U. P. Act No. 18 of 1983)

(As passed by the Uttar Pradesh Legislature)

AN

#### ACT

#### further to amend the Uttar Pradesh Krishi Utpandan Mandi Samities (Alpakalik Vyawastha) Adhiniyam, 1972

IT IS HEREBY enacted in the Thirty-fourth Year of the Republic of India as follows :----

1. (1) This Act may be called the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samities (Alpakalik Vyawastha) (Dwitiya Sanshodhan) Adhiniyam, 1983.

(2) It shall be deemed to have come into force on May 23,"1983.

2: In section 2 of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samities (Alpakalik Vyawastha) Adhiniyam, 1972, hereinafter to be referred to as the principal Act,—

Amendment of section 2 of U. P Act no. 7 of 1972.

Short title and

commencement.

(i) for sub-section (1), the following sub-section shall be substituted namely :--

"(1) With effect from the date of commencement of the Uttar Pradesh Krishi U padan Mandi Samities (Alpakalik Vyawastha) (Dwitiya Sanshodhan) Adhiniyam, 1983, the provisions of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Adhiniyam, 1964 (hereinafter referred to as the said Adhiniyam), shall for a period of one year or until the constitution of an elected Mandi Samiti under section 13 of the said Adhiniyam, whichever is earlier, have effect in relation to every market area which existed on the date of such commencement or declared to be so during the said period, subject to the following provisions, ramely :---

(a) Except as provided in clause (e), all powers, functions and duties of a Market Committee shall be exercised, performed and discharged by an *ad hoc* committee to be nominated by the State Government;

(b) The *ad hoc* committee referred to in clause (a) shall consist of eleven members, one of whom shall be designated as the Chairman; and out of the members, one member each shall be from amongst commission agents and traders carrying on business in the market area, as evident from the licence of the market committee and five from amongst producer members of market area;

(c) The State Government may at any time replace any member of the *ad hoc* committee by making a fresh nomination in his place;

(d) Subject to the provisions of this section, the *ad hoc* committee shall be deemed for all purposes to be the Market Committee ;

(e) The ad hoc committee shall not transfer or acquire any immovable property without prior permission of the Director of Mandis, Uttar Pradesh, Lucknow;

(f) If there is a difference of opinion amongst the members of the *ad hoc* committee the decision of the majority shall prevail :

(g) The State Government may from time to time, by notification, make such incidental and consequential provisions, including provisions for adapting, modifying or suspending, in whole or in part,

उत्तर <sup>प्र</sup> प्रध्यावेग संख्या <sup>3</sup> सन् 19 उत्तर प्रदेश ग्रसाधारण गजट, 21 सितम्बर, 1983

(h) Until the nomination of ad hoc committee under clauses (a) and (b), the arrangement in force immediately before the commencement of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi San ties (Alpakalik Vyawastha) (Dwitiya Sanshodhan) Adhiniyam, 1963, for the exercise, performance and discharge of the powers, functions and duties of a market committee shall continue;

(i) The District Magistrate shall with effect from the date of the nomination of the *ad hoc* committees under this section, cease to exercise all powers, functions and duties of the Market Committee or its Chairman and Vice-Chairman, and any officer specified by the District Magistrate to exercise any such powers, shall also, with effect from the said date, cease to exercise them."

(ii) in sub-section (2), for the word "clause (d)" the word "clause (g)" shall be substituted.

Repeal and savings.

3. (1) The Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samities (Alpakalik Vyawastha) (Sanshodhan) Adhyadesh, 1983, is hereby repealed.

(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the provisions of the principal Act, as amended by the Ordinance referred to in sub-section (1), shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of the principal Act as amended by this Act, as if the provisions of this Act were in force at all material times.

> By order, G. B. SINGH, Sachiv.

U.P. Ordinance no. 29 of 1983.

पी 0 एस 0 यू 0 पी 0-- ए 0 पी- 231 सा0 (विधा 0)-- (2281)-1983--700 (मेक 0)।

173118

# No. 2036(2)/XVII-V-1-1(Ka)-15-1984 Dated Lucknow, October 1, 1984

IN pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi (Shanshodhan) Adhiniyam, 1984 (Uttar Pradesh Adhiniyam Sankhya 20 of 1984), as passed by the Uttar Pracesh Legislature and assented to by the Governor on September 29, 1984:

## THE UTTAR PRADESH KRISHI UTPADAN MANDI LAWS (AMENDMENT) ACT, 1984

[U.P. ACT NO. 20 OF 1984]

## (As passed by the Uttar Pradesh Legisla ture)

## AN ACT

## further to amend the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) Adhiniyam, 1972 and the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Adhiniyam, 1964.

IT IS HEREBY enacted in the Thirty-fifth Year of the Republic of India as follows :----

#### CHAPTER I

#### Preliminary

1. (1) This Act may be called the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Laws (Amendment) Act, 1984.

(2) Section 2 shall be deemed to have come into force on May 21, 1984, section 3 shall be deemed to have come into force on October 4, 1983, section 4 shall be deemed to have come into force on June 11, 1984 and the remaining sections shall come into force at once.

#### CHAPTER II

## Amendment of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik V yawastha) Adhiniyam, 1972

2. In section 2 of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) Adhiniyam, 1972, in sub-section (1), for the words "one year" the words "two years" shall be substituted.

#### CHAFTER III

## Amendment of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Adhiniyam, 1964

3. In section 23-A of the Krishi Utpadan Mandi Adhiniyam, 1964 (hereinafter referred to as the principal Act), for sub-section (2), the following subsection shall be substituted, namely :--

"(2) Subject to the provisions of sub-section (2-B)-

(a) every person, other than a Government servant, serving in any committee on deputation, who holds a post comprised in the cadre referred to in sub-section (1), and

Amendment of section 2 of U.P. Act no. 7 of 1972.

Amendment of section 23-A of U. P. Act no 25 of 1964.

Short title and commencement.

(b) every Government servant, serving in any committee on deputation on a post in the said cadre, who is not found to be unsuitable, suitability being determined in such manner as may be laid down in regulations,

shall on and from the date of the constitution of the said cadre (hereinafter in this section to be referred to as the said date) become member of the cadre on the terms and conditions mentioned in sub-section (2-A)

(2-A) Every person, who becomes a member of the cadre under subsection (2) shall hold office by the same tenure, at the same remuneration, upon the same terms and conditions, and with the same rights and privileges as to pension, gratuity and other matters as he could have been entitled to on the said date but for the constitution of the cadre and shall continue to be so entitled until his employment as a member of the cadre is terminated or until his remuneration or other terms and conditions of service are revised or altered by the Board under or in pursuance of any law or in accordance with any provision which for the time being governs his service.

(2-B) Nothing contained in sub-section (2) shall apply to a person who, by notice in writing, given to the State Government, within such time as the State Government may, by general or special order specify intimates his intention of not becoming a member of the said cadre.

(2-C) The services of an employee, under a committee, who opts against absorption, shall stand terminated on the ground of abolition of post and, on such termination, he shall be entitled to receive from the concerned committee compensation equivalent to—

(a) three months emoluments in case of permanent employee;

(b) one month's emoluments in case of temporary employee,

(2-D) A Government servant serving in any committee on deputation on any post in the cadre, referred to in sub section (1) who opts against absorption or who is not found suitable, shall be reverted to his parent department and, if having regard to his seniority, a post is not available for him in the parent department his services shall stand terminated with effect from the date of the order of reversion on the ground of abolition of post and, on such termination, he shall be entitled to receive, from the State Government, compensation equivalent to the amount mentioned in sub-section (2-C)".

4. In section 40 of the principal Act, for sub-section (1) the following sub-section shall be substituted namely :--

"(1) The State Government may make rules for carrying out the purpose of this Act."

#### CHAPTER IV

#### Miscellaneous

Repeal and saving.

Amendment of section 40.

5. (1) The Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) (Sansh dhan) Adhyadesh, 1984 and the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi (Amendment) Ordinance, 1984, are hereby repealed.

(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the Acts referred to in Chapters II and III as amended by the Ordinances referred to in sub-section (1), shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of said Acts as amended by this Act as if the provisions of this Act were in force at all material times.

> By orcer. B. L. LOOMBA: Sachiv.

Ordin

no. 11 1984

U.P Ordina

no. 1

1984

# No. 1342(2)/XVII-V-1-1(KA)-21-1985

# Dated Lucknow, August 7, 1985

IN pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samiti (Alpakalik Vyawastha) (Sanshodhan) Adhiniyam, 1985, (Uttar Pradsh Adhiniyam Sankhya 14 of 1985), as passed by the Uttar Pradesh Legislature and assented to by the Governor on August 5, 1985:

# THE UTTAR PRADESH KRISHI UTPADAN MANDI SAMITIS (ALPAKALIK VYAWASTHA) (SANSHODHAN) ADHINIYAM, 1985

# (U. P. ACT No. 14 of 1985)

(As passed by the Uttar Pradesh Legislature)

178050

# ACT

# further to amend the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) Adhiniyam, 1972

IT IS HEREBY enacted in the Thirty-sixth Year of the Republic of India as follows:---

Short title and commencement 1. (1) This Act may be called the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) (Sanshodhan) Adhiniyam, 1985.

(2) It shall be deemed to have come into force on May 22, 1985.

Amendment of section 2 of U. P. Act no. 7 of 1972

Repeal and saving 2. In section 2 of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) Adhiniyam, 1972, hereinafter referred to as the principal Act, in sub-section (1), for the words "two years" the words "three years" shall be substituted.

3. (1) The Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) (Sanshodhan) Adhyadesh, 1985, is hereby repealed.

(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the provisions of the principal Act as amended by the Ordinance referred to in sub-section (1), shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of the principal Act as amended by this Act as if the provisions of this Act were in force at all material times.

> By order, B. L. LOOMBA, Sachiv.

Ordin

no. 11

198

भो 0 एस 0 यू 0 भी 0--ए 0 में 0 108 सा0 (बिधा 0)--(1534)--1985--800 (मेंक 0)।

# No. 1631 (2) /XVII-V-I-1 (KA) -27-1986

Dated Lucknow, September 9, 1986

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Uttar Pradesh Krishi, Utpadan Mandi Samiti (Alpkalik Vyawastha) Sanshodhan Adhiniyam, 1986 (Uttar Pradesh Adhiniyam Sankhya 16 of 1986) as passed by the Uttar Pradesh Legislature and assented to by the Governor on September 8, 1986.

# THE UTTAR PRADESH KRISHI UTPADAN MANDI SAMITIS (ALPAKALIK VYAWASTHA) (SANSHODHAN) ADHINIYAM, 1986

## (U. P. ACT NO. 16 OF 1986)

(As passed by the Uttar Pradesh Legislature)

#### AN

#### ACT

## further to amend the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) Adhiniyam, 1972

IT IS HEREBY enacted in the Thirty Seventh Year of the Republic of India as follows:-

Short title and commencement

1. (1) This Act may be called the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) (Sanshodhan) Adhiniyam, 1986.

(2) It shall be deemed to have come into force on May 21, 1986.

Amendment of section 2 U.P. Act no. 7 of 1972

and Repeal saving

2. In section 2 of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) Adhiniyam, 1972, hereinafter referred to as the principal Act, in sub-section (1), for the words "three years" the words "four years" shall be substituted.

3. (1) The Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Ordinan Vyawastha) (Sanshodhan) Adhyadesh, 1986, is hereby repealed. no. 7

(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the provisions of the principal Act as amended by the Ordinance referred to in sub-section (1), shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of the principal Act as amended by this Act as if the provisions of this Act were in force at all material times.

By order,

U. P

1986

S. N. SAHAY, Sachiv.

बी 0एस 0यू 0वी 0--ए 0वी 0 707 राजपत्र (हि0)--(1519)--1986--1830 (मेक0)।

## No. 1970(2)XVII-V-1-1(KA) 14-1988

Dated Lucknow, October 15, 1988

IN pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samiti (Alpakalik Vyawastha) (Sanshodhan) Adhiniyam, 1983 (Uttar Pradesh Adhiniyam Sankhya 18 of 1988) as passed by the Uttar Pradesh Legislature and assented to by the Governor on October 15, 1988:

## THE UTTAR PRADESH KRISHI UTPADAN MANDI SAMITIS (ALPAKALIK VYAWASTHA) (SANSHODHAN) -ADHINIYAM, 1988

## (U. P. ACT NO. 18 OF 1988)

## [As passed by the U. P. Legislature]

## AN

## ACT

further to amend the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) Adhiniyam, 1972

IT IS HEREBY, enacted in the Thirty-ninth Year of the Republic of India

Short title and commencement 1. (1) This Act may be called the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) (Sanshodhan) Adhiniyam, 1988.

(2) It shall be deemed to have come into force on June 24, 1988.

mendment of section 2 of U.P. Actno. 7 of 1972

Repeal and Saving 2. In section 2 of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) Adhiniyam, 1972, hereinafter referred to as the principal Act, in sub-section (1), for the words "five years" the words "six years" shall be substituted and be deemed always to have been substituted.

3. (1) The Uttar Pradesh' Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik U.P. O Vyawastha) (Sanshodhan) Adhyadesh, 1988, is hereby repealed.

(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the provisions of the principal Act, as amended by the Ordinance referred to in sub-section (1), shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of the principal Act, as amended by this Act, as if the provisions of this Act were in force at all material times.

> By order, S. N. SAHAY, Sachiy.

of 1988

पो0 इस0यू 0पी0 ए 0पी0 1 22 सा0 बिधा0 -- (1 791)-- 17-10-88-- 1988-- 856 (मेक0) ।

# No. 1913 (2) /XVII-V-1-1 (KA) 27-1989

## Dated Lucknow, October 6, 1989

IN pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Uttar Pradesh Krishi Utpadau Maudi Samiti (Alpakalik Vyawastha) (Sanshodhan) Adhiniyam, 1989 (Uttar Pradesh Adhiniyam Sankhya 22 of 1989) as passed by the Uttar Pradesh Legislature and assented to by the Governor on October 6, 1989.

## THE UTTAR PRADESH KRISHI UTPADAN MANDI SAMITIS (ALP-KALIK VYAWASTHA) (SANSHODHAN) ADHINIYAM, 1989

## [U. P. ACT NO. 22 OF 1989]

(As passed by the U. P. Legislature)

#### AN

## ACT

further to amend the Uttar Pradesh Krishi Utpaden Mandi Samitis (Alpkalik Vyawastha) Adhiniyam, 1972.

IT IS HEREBY enacted in the Fortieth Year of the Republic of India as follows :\_\_\_\_

Short title and commencement

(1) This Act may be called the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpkalik Vyawastha) (Sanshodhan) Adhiniyam, 1989.

(2) It shall be deemed to have come into force on June 6, 1989.

Amendment of section 2 of U.P Act no. 7 of 1972

Repeal anu saving 2. In section 2 of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpkalik Vyawastha) Aflhiniyam, 1972 hereinafter referred to as the principal Act in sub-section (1), fdr the words "of six years" the words "up to December 31, 1989" shall be substituted and be deemed always to have been substituted.

3. (1) The Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpkalik Vyawastha) (Sanshodhan) Adhyadesh, 1989, is hereby repealed.

(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under . the provisions of the principal Act as amended by the Ordinance referred to in sub-section (1), shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of the principal Act as amended by this Act as if the provisions of this Act were in force at all material times.

> By order, NARAYAN DAS, Sachiv.

पी0एस0यू0पो0---ए0 पो0 152 सा0 (विधा0)--(2361)---1989---850 (क0)।

## No. 275 (2) / XVII-V-1-1 (KA) -2-1990

Dated Lucknow, January 20, 1990

ere al a

IN pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samiti (Alpakalik Vyawastha) (Sanshodhan) Adhiniyam, 1990 (Uttar Pradesh Adhiniyam Sankhya 3 of 1990) as passed by the Uttar Pradesh Legislature and assented to by the Governor on January 20, 1990.

## THE UTTAR PRADESH KRISHI UTPADAN MANDI SAMITIS (ALPAKALIK VYAWASTHA) (SANSHODHAN) ADHINIYAM, 1990

## (U. P. Act No. 3 of 1990)

[As passed by the U. P. Legislature]

#### AN

## ACT

## further to amend the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) Adhiniyam, 1972.

Short title and commencement

1. (1) This Act may be called the Uttar Predesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) (Sanshedhan) Adhiniyam, 1990.

(2) It shall be deemed to have come into force on December 30, 1989.

Amendment of section 2 of U. P. Act no. 7 of 1972

Repeal and saving 2. In section 2 of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) Adhiniyam, 1972, hereinafter referred to as the principal Act, in sub-section (1), for the word and figures "December 31, 1989" the words and figures "June 30, 1990" shall be substituted.

3. (1) The Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) (Dwitiya Sanshedhan) Adhyadesh, 1989, is here by repealed.

U.P. Ordinance no. 23 of 1989

(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the provisions of the principal Act as amended by the Ordinance referred to in sub-section (1), shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of the principal Act as amended by this Act as if the provisions of this Act were in force at all material times.

> By order, NARAYAN DAS, Sathiv.

पी 0एस 0यू 0पी 0-ए 0पी 0 232 सा0 (विधा 0)-(3687)--1990--850 (मेक 0) ।

## No. 1627(2)/XVII-V-1-1 (KA)28-1990

## Dated Lucknow, June 30, 1990

IN pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samiti (Alpakalik Vyawastha) (Dwitiya Sanshodhan) Adhiniyam, 1990 (Uttar Pradesh Adhiniyam Sankhya 11 of 1990) as passed by the Uttar Pradesh Legislature and assented to by the Governor on June 29, 1990.

## THE UTTAR PRADESH KRISHI UTPADAN MANDI SAMITIS (ALPAKALIK VYAWASTHA) (DWITIYA SANSHODHAN) ADHINIYAM, 1990

## (U. P. Act No. 11 of 1990)

(As passed by the U. P. Legislature)

#### AN

#### ACT

further to amend the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) Adhiniyam, 1972.

IT IS HEREBY enacted in the Forty-first Year of the Republic of India as follows :----

Short title

1. This Act may be called the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) (Dwitiya Sanshodhan) Adhiniyam, 1990.

Amendment of section 2 of U. P. Act no. 7 of 1972

2. In section 2 of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) Adhiniyam, 1972, in sub-section (1), or the word and figures "June 30, 1990" the word and figures "December 31, 1990" shall be substituted.

> By order, NARAYAN DAS, Sachiv.

# No. 434(2)/XVII-V-1-1 (KA)-4-1991 Dated Lucknow, March 22, 1991

· Inches in success

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Krishi Utpadan Mandi Samiti (Alpakalik Vyawastha) (Sanshodhan) Adhiniyam, 1991 (Uttar Pradesh Adhiniyam Sankhya 16 of 1991) as passed by the Uttar Pradesh Legislature and assented to by the Governor on March 20, 1991.

# THE UTTAR PRADESH KRISHI UTPADAN MANDI SAMITIS (ALPAKALIK VYAWASTHA) (SANSHODHAN) ADHINIYAM, 1991

# (U. P. ACT NO. 16 OF 1991)

# [As passed by the U. P. Legislature]

## AN

### ACT

further to amend the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) Adhiniyam, 1972.

IT IS HEREBY enacted in the Forty-second Year of the Republic of India as follows :--

Short title and commencement

1. (1) This Act may be called the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) (Sanshodhan) Adhiniyam, 1991.

(2) It shall be deemed to have come into force on December 31, 1990.

Amendment of section 2 of U. P. Act no. VII of 1972

2. In section 2 of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) Adhiniyam, 1972, hereinafter referred to as the principal Act, in sub-section (1), for the word and figures "December 31, 1990" the word and figures "June 30, 1991" shall be substituted.

Repeal and saving 3. (1) The Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) (Sanshodhan) Adhyadesh, 1990, is hereby repead.

U.P. Ordinafice no. 34 of 1990

(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the provisions of the principal Act, as amended by the Ordinance referred to in sub-section (1), shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of the principal Act, as amended by this Act as if the provisions of this Act were in force at all material times.

> By order, NARAYAN DAS, Sachiv.

पी 0 एस 0 यू 0 पी 0-ए 0 पी 0 353 सा 0 (विधा 0) -- (3724) -- 1991 -- 850 (मै 0)।

# No. 1513 (2)/XVII-V-1-1 (KA) 22-1991 Dated Lucknow, August 17, 1991

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samiti (Alpakalik Vyavastha) (Dwitiya Sanshodhan) Adhiniyam, 1991 (Uttar Pradesh Adhiniy. m Sankhya 21 of 1991) as by passed the Uttar Pradesh Legislature and assented to by the Governor on August 17, 1991 :

# THE UTTAR PRADESH KRISHI UTPADAN MANDI SAMITIS (ALPAKALIK VYAVASTHA) (DWITIYA SANSHODHAN) ADHINIYAM, 1991.

[U.P. ACT NO. 21 OF 1991]

(As passed by the Uttar Pradesh Legislature)

## AN

## ACT

## further to amend The Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) Adhiniyam, 1972.

IT IS HEREBY enacted in the Forty-second Year of the Republic of India, as follows :--

Short title and Commencement

and

1. (1) This Act may be called the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) (Dwitiya Sanshodhan) Adhiniyam, 1991.

(2) It shall be deemed to have come into force on June 30, 1991.

2. In section 2 of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) Adhiniyam, 1972, hereinafter referred to as the principal Act, in sub-section (1), for the word and figures "June 30, 1991" the word and figures "December 31, 1991" shall be substituted.

3. (1) The Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) (Dwitiya Sanshodhan) Adhyadesh, 1991 is hereby repealed.

U.P. Ordinance no. 30 of 1991

(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the provisions of the principal Act, as amended by the Ordinance referred to in sub-section (1), shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of the principal Act as amended by this Act, as if the provisions of this Act were in force at all material times.

> By order, NARAYAN DAS. Sachty.

मी0 एस0 मू0 मी0-ए0 मी0 139 सा0 (विधा0)-- (1222)-1991-850 (मेक 0)।

Amendment of Section 2 of U.P. Act no. vil of 1972

Repeal

#ग-संख्या--268



1

मित नंत एल. इस्तू./एन. पी. 561 आइसेन्स नंत उप्तूत पी0-41

1 🖓 i 🚮

,50

៉ៃ 🖞 📊

सरकारी गजर, उत्तर प्रदेश.

# उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा प्रकाशितः

# असाधारण

# विधायी परिशिष्ट

भाग---1, खण्ड (क)

(उत्तर प्रदेश ग्रधिनियम)

लखनऊ, शनिवार, 3 ग्रप्रैज, 1995 चैन्न 13, 1915 शक सम्वत्

## UTTAR PRADESH SARKAR VIDHAYI ANUBHAG-1

No. 553/XVII-V- 1-1(KA)1-1993 Dated Lucknow, April 3, 1993

### NOTIFICATION

#### Miscellaneous

The following President's Act enacted on April 3, 1993 is published for general information:

THE UTTAR PRADESH KRISHI UTPADAN MANDI SAMITIS (ALPAKALIK VYAWASTHA) AMENDMENT ACT, 1993

#### (PRESIDENT'S ACT NO. 2 OF 1993)

Enacted by the President in the Forty-fourth Year of the Republic of India.

#### AN ACT

#### further to amend the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakolik Vyawasthc) Adhiniyam, 1972.

In exercise of the powers conferred by section 3 of the Uttar Pradesh State Legislature (Delegation of Powers) Act, 19:3, the President is pleased to enact as follows ;--

1. (1) This Act may be called the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vywastha) Amendment Act, 1993.

Short title and commencement.

(2) It shall be deemed to have come into force on the 16th day of January, 1993.

Substitution new section for Section 2 of U.P. Act, no. 7 of 1972

2. In the Uttar Predesh Krishi Utpadan Mandi Semitis (Alpakalik Vyawastha) Adhiniyam, 1972, for section 2, the following section shall be substitued, namely :-

"2. (1) With effect from the date of commencement of the

Tennorary Provistons regarding administration of Mandi Samitis

Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Simitis Ord. 11 (Alpakalik Vyawastha) Amendment Ordinance. 1993, the provisions of the Uttar Pradesh

Krishi Utpadan Mandi Adhiniyam, 1964 (hereinafter referred to as the said Adhiniyam) shall, for a period of one year form the date of such commencement or until the constitution of an elected Mandi Samiti under section 13 of the said Adhiniyam, whichever is earlier, have effect in relation to every market area which existed on the date of such commencement or which is declared to be so during the said period, subject to the following provisions, namely :---

(a) notwithstanding anything contained in the said Adhiniyam, every Ad-hoc Committee constituted under this Act (as it existed immediately before the date of such commencement) shall stand dissolved, and the Chairman and every other member of such Committee shall cease to hold their respective offices :

(b) all powers, functions and duties of the Committee, its Chairman and Vice Chairman shall be vested in, and be exercised, performed and discharged by the District Magistrate of the district in which the Principal Market Yard is situate, and such District Magistrate shall be deemed in law to be the Committee, its Chairman or Vice Chairman as the occasion may require ;

(c) subject to any general or special order of the State Government, such District Magistrate may, subject to such terms and conditions as he may think fit to impose, delegate all or any of the powers conferred on him by clause (b) to any officer specified by him in this behalf;

(d) the State Government may from time to time by notification in the Gazette, make such incidental or consequential provisions, including provisions for adapting, modifying or suspending, in whole or in part, the operation of any provisions of the said Adhiniyam, but not affecting the substance, as may appear to it to be necessary or desirable for any of the foregoing or connected purposes.

(2) Every notification issued under clause (d)of subsection (1) shall as soon as may be, after it is issued, be laid before each House of the State Legislature, and the provisions of sub-section (1) of section 23-A of the Uttar Pradesh General Clauses Act, 1904 shall apply as they apply in respect of rules made by the State Government under any Uttar Pradesh Act".

U. P. Act 1 of 1904

P. 1 of 19

1883

U, P.

A@t 25 a 1964

Repo<sup>81</sup> and Saving

8. (1) The Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) Amendment Ordinance, 1993 is hereby repealed.

Ord. II

of 1993

(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) Adhiniyam, 1972 as amended by the said Ordinance shall be deemed to have been done or taken under the said Adhiniyam, as amended by this Act.

P. Act 7 of 1972

Ø

3

Ord. 11 c 1883

> U.P. Of 25 of 1964

U.P. Act 1 of

1904

2rd. 11

of 1991

SHANKER DAYAL SHARMA, President.

#### B. R. ATRE,

Joint Secretary to the Govt. of India.

#### Reasons for the Enactment

The Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Adhiniyam was enacted in 1964 (25 of 1964) to provide for regulation of sale and purchase of agricultural produce and for the establishment, superintendence and control of markets in Uttar Pradesh. Section 13 of the Adhiniyam provides for constitution of market committee, other than the first committee constituted by nomination, which shall consist of elected representatives of Local bodies, commission agents, producers and nominated members representing Food Corporation of India, Central Warehousig Corporation, State Warehousing Corporation and the State Government. As the elected Mandi Samitis under section 13 of the 1964 Adhiniyam could not be constituted, this section was amended by the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) Adhiniyam, 1972, which provided for exercise, performance and discharge of all powers, functions and duties of the market committee by an ad-hoc committee to be nominated by the State Government till the constitution of elected Mandi Samitis under the 1964 Adhiniyam. The provisions of 1972 Adhiniyam were substituted by the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) (Sanshodhan) Adhiniyam, 1980 which provided for dissolution of ad-hoc Mandi Samitis and vesting of all powers, functions and duties of the committee, its Chairman and Vice-Chairman in the District Magistrate. The 1980 Amendment was repealed by an Amendment to the principal Act in 1983 and the position as prevailed just after the 1972 amendment was restored.

2. The system of *ad-hoc* committees has been continued since 1983 by way of Ordinances by the State Government. The last such Ordinance was promulgated by the Governor of Uttar Pradesh on 29th November, 1992 extending the arrangements till 30th June, 1993. The said Ordinance could not be laid in the State Assembly as the Assembly did not meet after the 29th November, 1992 till its dissolution on 6th December, 1992 when the State was placed under the President's Rule as per provisions of Article 356 of the Constitution. To avoid a vacuum in the administration of market committees a Presidential Ordinance namely the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyawastha) Amendment Ordinance, 1993 (Ord. 11 of 1993) was promulgated on 16th January, 1993.

3. Parliament has under Article 357(1)(a) of the Constitution conferred on the President the powers of the legislature of the State of Uttar Pradesh to make laws vide the Uttar Pradesh State Legislature

(Delegation of Powers) Act, 1993. It has, therefore, been decided to replace the said Ordinance No. 11 of 1993 by a Presidential enactment.

4. Under the proviso to sub-section (2) of section 3 of the Uttar Pradesh State Legislature (Delegation of Powers) Act, 1993, the President shall before enacting any President's Act, consult a Committee constituted for the purpose consisting of the members of both the Houses of Parliament. As the said Committee has not so far been constituted and the matter is very urgent in nature and the time left is very short, it is proposed to enact the measure without reference to the Committee

#### NIRMALA BUCH,

Secy. to the Govt. of India, Ministry of Rural Development, (Department of Rural Development).

By order,

N. K. NARANG, Sachiv.

**भी 0 एस 0** यू 0 पी 0 - -- ए 0 पी 0 3 साए (विधा 0) --- (6) -- 1993 -- 850 (मेक 0) ।

a parta de la composición de

· · · · · · ·

e . . . .

put

TH

Ena

# No. 603 (2)/XVII-V-1-1 (KA)-1/1994

## Dated Lucknow, April 2, 1994

IN pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samiti (Alpakalik Vyawastha) (Sanshodhan) Adhiniyam, 1994 (Uttar Pradesh Adhiniyam Sankhya 6 of 1994) as passed by the Uttar Pradesh Legislature and assented to by the Governor on Mrch 31, 1994.

THE UTTAR PRADESH KRISHI UTPADAN MANDI SAMITIS (ALPAKALIK VYAVASTHA) (SANSHODHAN) ADHINIYAM, 1994

## [U. P. ACT NO. 6 OF 1994]

## [As passed by the U. P. Legislature]

# AN

## ACT

further to amend the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) Adhiniyam, 1972.

1. (1) This Act may be called the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) (Sanshodhan) Adhiniyam, 1994.

(2) It shall be deemed to have come into force on January 15, 1994.

2. For section 2 of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) Adhiniyam, 1972, hereinafter referred to as the principal Act, the following section shall be substituted, namely :---

> "2. (1) With effect from the date of commencement of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) (Sanshodhan) Adhiniyam, 1994, the Temporary provision provisions of Uttar Pradesh Krishi Utpadan regarding administration Mandi Adhiniyam, 1964 (hereinafter referred to as the said Adhinivam), shall for a period of one of Mandi year or until the constitution of an elected Mandi Samitis Samiti under section 13 of the said Adhiniyam, whichever is earlier, have effect in relation to every market area which existed on the date of such commencement or declared to be so during the said period, subject to the following provisions, namely :-

> (a) except as provided in clause (e), all powers. functions and duties of a Market Committee shall be exercised, performed and discharged by an *ad-hoc* committee to be nominated by the State Government;

> (b) the ad-hoc committee referred to in clause (a) shall consist of eleven members, one of whom shall be designated as the Chairman; and out of the members, one member shall be from amongst the commission agents and two from amongst the traders carrying on business in the market area, as evident from the licence of the Market Committee and eight from amongst the producer members of market area;

Substituted of section 2 of U. P.

Act no. 7 of 1972

Short title and

commencement

ì

Ť

(c) the State Government may, at any time, replace any member of the *ad-hoc* committee by making a fresh nomination in his place;

(d) subject to the provisions of this section, the *ad-hoc* committee shall be deemed, for all purposes, to be the Market Committee;

(e) the *ad-hoc* committee shall not transfer or acquire any immovable property without prior permission of the Director of Mandis, Uttar Pradesh, Lucknow;

(f) if there is a difference of opinion amongst the members of the *ad-hoc* committee, the decision of the majority shall prevail;

(g) the State Government may, from time to time, by notification, make such incidental and consequential provisions, including provisions for adapting, modifying or suspending, in whole or in part, the operation of any provisions of the said Adhiniyam, but not affecting the substance, as may appear to it to be necessary or desirable for any of the foregoing or connected purposes;

(h) until the nomination of ad hoc committee under clauses (a) and (b), the arrangement in force immediately before the commencement of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) (Sanshodhan) Adhiniyam, 1994 for the exercise, performance and discharge of the powers, functions and duties of a Market Committee shall continue;

(i) the District Magistrate, shall with effect from the date of the nomination of the *ad hoc* committees under this section, cease to exercise all powers, functions and duties of the Market Committee or its Chairman and Vice-Chairman, and any officer specified by the District Magistrate to exercise any such powers, shall also, with effect from the said date, cease to exercise them.

(2) Every notification issued under clause (g) of sub-section (1) shall as soon as may be, after it is issued be laid before each House of the State Legislature, while it is in session, for a total period of not less than thirty days extending in its one session or more than one successive sessions, and shall, unless some later date is appointed take effect from the date of its publication in the *Gazette*, subject to such modifications or annulments as the two Houses of the Legislature may during the said period agree to make, so, however that any such modification or annulment shall be without prejudice to the validity of anything previously done there under."

3. (1) The Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik U Vyavastha) (Sanshodhan) Adhyadesh, 1994 is hereby repealed.

(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the principal Act as amended by the Ordinance referred to in subsection (1), shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of the principal Act as amended by this Act, as if the provisions of this Act were in force at all material times.

> By order, N. K. NARANG, Sachiv.

पो0एस0यू0पो0--ए0 पो0 4 सा0 (विधा0)--(6)--1994--850 (मेक्0)।

Repeal and savings

## No. 387 (2)/XVII-V-1-1(KA)17-1995

Dated, Lucknow, February 13, 1995

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavstha) (Sanshodhan) Adhiniyam 1995 (Uttar Pradesh Adhiniyam Sankhya 2 of 1995) as passed by the Uttar Pradesh Legislature and assented to by the Governor on February 11, 1995.

## THE UTTAR PRADESH KRISHI UTPADAN MANDI SAMITIS (ALPA-KALIK VYAVASTHA) (SANSHODHAN) ACT, 1995

## (U. P. ACT No. 2 OF 1995)

(As passed by the Uttar Pradesh Legislature)

#### AN ACT

further to amend the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) Adhiniyam, 1972.

IT IS HEREBY enacted in the Forty-sixth Year of the Republic of India as follows :---

Short title and commencement 1. (1) This Act may be called the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) (Sanshodhan) Adhiniyam, 1995.

(2) It shall be deemed to have come into force on January 15, 1994.

2. In Section 2 of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) Adhiniyam, 1972, hereinafter referred to as the principal Act, in sub-section (1) for the words "one year" the words "two years" shall be substituted.

3. (1) The Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) (Sanshodhan) Adhyadesh, 1995 is hereby repealed.

(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the provisons of the principal Act as amended by the Ordinance referred to in sub-section (1), shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of the principal Act as amended by this Act as if the provisions of this Act were in force at all material times.

> By order, N. K. NARANG, Pramukh Sachiv.

U. P. Ordi-

nance No. 5

of 1995

बी0 एस0 य 0 बी0- ए 0 बी0 279 सा 0 विधा 0-- (3576)-1995-850 (मेक 0) ।

Amendment of Section 2 of U. P. Act No. 7 of 1972.

Repeal and Savings

## No. 1088 (2)/XVII-V-1-1 (KA) 6-1997 Dated Lucknow, July 31, 1997

IN pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor i pleased to order the publication of the following English translation of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Sami (Alpakalik Vyavastha) (Sanshodhan) Adhiniyam, 1997 (Uttar Pradesh Adhiniyam Sankhya 5 of 1997) as passed by the Uttar Pradesh Legislature and assented to by the Governor on July 30, 1997.

## THE UTTAR PRADESH KRISHI UTPADAN MANDI SAMITIS (ALPAKALIK VYAVASTHA) (SANSHODHAN) ADHINIYAM, 1997 (U.P. ACT No. 5 OF 1997)

[As passed by the Uttar Pradesh Legislature]

#### AN

#### ACT.

further to amend the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) Adhiniyam, 1972.

IT IS HEREBY enacted in the Forty-eighth Year of the Republic of India as follows :---

Short title 1. (1) This Act may be called the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis and commen-(Alpakalik Vyavastha) (Sanshodhan) Adhiniyam, 1997.

(2) It shall be deemed to have come into force on January 15, 1996.

2. In section 2 of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) Adhiniyam, 1972, hereinafter referred to as the principal Act, in sub-section (1), for the words "for a period of two years", the words and figures " till December 31, 1998" shall be substituted.

Amendment of section 2 of U.P. Act no. 7 of 1972

3

Validation

3. For the removal of doubts it is hereby declared that the powers, functions and duties of the Market Committee, its Chairman and Vice-Chairman, vested in the District Magistrate under section 2 of the principal Act immediately before January 15. 1996, shall be deemed to have validly continued to be vested in the District Magistrate untill the nomination of ad hoc Committee under the aforesaid section or the constitution of an elected Mandi Samiti under section 13 of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Adhiniyam, 1964 and anything done or any action taken by the District Magistrate in exercise, performance and discharge of the said powers, functions and duties at any time on or after January 15, 1996, shall be deemed to be valid as if the provisions of the principal Act as amended by this Act were in force at all material times.

4. (1) The Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) Repeat and (Sanshodhan) Adhyadesh, 1997 is hereby repealed.

savings

(2) Notwithstanding such repeal anything done or any action taken under the provisions of the principal Act as amended by the Ordinance referred to in sub-section (1), shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of the principal Act as amended by this Act, as if the provisions of this Act were in force at all material times.

पी०एस०यू०पी०--ए०पी० 109 सा० विधायी--1-8-97--(859)--1997--850--(कम्प्यूटर/आफसेट)।

By order, R. D. MATHUR, Pramukh Sachiv.

U.P.Ordinance no. 4 of 1997

## No. 625 (2)/XVII-V-1-1 (KA) 2/1999

### Dated Lucknow, March 16, 1999

In pursuance of the provision of clause (3) of Article 348 of the Constitution, of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Uttar Pradesh Krishi Uttpadan Mandi Sami'i (Alpakalik Vyavastha) (Sanshodhan) Adhiniyam. 1999 (Uttar Pradesh Adhiniyam Sankhya 7 of 1999) as passed by the Uttat Pradesh Legislature and assented to by the Governor on March 16, 1999.

## THE UTTAR PRADESH KRISHI UTPADAN MANDI SAMITIS (ALPAKALIK VYAVASTHA) (SANSHODHAN) ADHINIYAM, 1999

[U. P. ACT NO. 7 OF 1999]

(As passed by the Uttar Pradesh Legislature)

#### AN

#### ACT

further to amend the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Kyavastha) Adhiniyam, 1972.

IT IS HEREBY enacted in the Fiftieth Year of the Republic of India as follows :---

Short title and commencement 1. (1) This Act may be called the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) (Sanshodhan) Adhiniyam, 1999.

(2) It shall be deemed to have come into force on December 31, 1998.

Amendment of section 2 of U. P. Act no. 7 of 1972

Repeal and Savings

37

2. In section 2 of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) Adhiniyam, 1972, hereinafter referred to as the principal Act, in sub-section (1), for the words and figures. "till December 31, 1998" the words and figures "till December 31, 2000" shall be substituted.

3. (1) The Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) (Sanshodhan) Adhyadesh, 1998 is hereby repealed.

(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the corresponding provisions of the principal Act, as amended by the Ordinance referred to in sub-section (1), shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of the principal Act as amended by this Act, as if the provisions of this Act were in force at all material times.

> By order, G. S. PANDEY, Vishesh Sachiv.

भो o रस o मूo दी 0 -- ए o भो 0 281 सा0 (विचा0) -- (2437) -- 1999-- 850 (मैका) 1

#### उत्तर प्रदेश ग्रयाधारण गजट, 30 ग्रप्रेल, 2001

Uttar Pradesh Legislature and assented to by the Governor on April 30, 2001 alongwith the Statment of Objects and Reasons thereto :--

#### THE UTTAR PRADESH KRISHI UTPADAN MANDI SAMITIS (ALPAKALIK VYAVASTHA) (SANSHODHAN) ADHINIYAM, 2001

#### (U. P. ACT NO. 10 OF 2001)

[As passed by the Uttar Pradesh Legislature]

#### AN ACT

#### further to amend the Uttar Pradesh Krishi Upadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) Adhiniyam, 1972

IT IS HERBBY enacted in the Fifty-second Year of the Republic of India as follows :-

1. (1) This Act may be called the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) (Sanshodhan) Adhiniyam, 2001.

(2) It shall be deemed to have come into force on December 27, 2000.

In section 2 of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) Adhiniyam, 1972, hereinafter referred to as the principal Act, in sub-section (1) for the words and figures "till December 31, 2000" the words and figures "till December 31, 2001" shall be substituted.

3. (1) The Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik savings Vyavastha) (Sanshodhan) Adhyadesh, 2000 is hereby repeated.

U. P. Ordinance no. 17 of

2000

(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the provisions of the principal Act, as amended by the Ordinance referred to in sub-section (1), shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of the principal Act, as amonded by this Act, as if this Ast were in force at all material times.

> By order, Y. R. TRIPATHI, Pramukh Sachiv,

#### STATEMENT OF OBJECTS AND REASONS

The Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) Adhiniyam. 1972 (U. P. Act no. 7 of 1972) was amended by the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) (Sanshodhan) Adhiniyam, 1997 (U.P. Act no. 5 of 1997) to provide that till December 31, 1998 or until the constitution of an elected Mandi Samiti under section 13 of the Utttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Adhiniyam, 1964 whichever is earlier, all powers, funcions and duties of the Market Committees shall be exercised, perfor med and discharged by an eleven member ad-hoc Committee to be nominated by the State Government and until the nomination of such ad-hoc Committee all powers, functions and duties of a Market Committee, its Chairman and Vice-Chairman shall be exercised, performed and discharged by the District Magistrate. The said period was extended from December 31, 1998 to December 31, 2000 by the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) (Sanshodhan) Adhiniyam, 1999. Since the said 'arrangement was to expire on December 31, 2000 and the election of Market Committees could not be held, it was decided to extend the period of the said arrangement till December 31, 2001 by making amendment in the said Adhiniyam of 1972.

Since the State Legislature was not in session and immediate legislative action was necessary to implement the said decision, the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) (Sanshodhan) Adhyadesh, 2000 (U. P. Ordinance no. 18 of 2000) was promulgated by the Governor on December 27, 2000.

This Bill is introduced to replace the aforesaid Ordinance.

वी0एस 0य 0पी0-ए0 पी0 24 सा 0 विधा0--(205)-2001 -850 (मेक0) ।

commencement

Short title and

Amendment of section 2 of U.P. Act no. 7 of 1972

Repeal and

अब यह विनिश्चय किया गया है कि उपर्युक्त व्यवस्था के कार्यकाल का विस्तार 31 मार्च, 2003 तक करने और 1 जनवरी, 2002 को या उसके पश्चात् जिला मजिस्ट्रेट द्वारा कृत कार्यों और कार्यवाहियों को विधिमान्य करने के लिए वर्ष 1972 के उपर्युक्त अधिनियम को संशोधित किया जाय।

तद्नुसार उत्तर प्रदेश कृषि उत्पादन मण्डी समिति (अल्पकालिक व्यवस्था) (संशोधन) विधेयक, 2002 पुरःस्थापित किया जाता है।

#### No. 1768 (2)/XVII-V-I-1-(KA) 29-2002

#### Dated Lucknow : September 17, 2002

IN pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samiti (Alpakalik Vyawastha) (Sanshodhan), Adhiniyam, 2002 (Uttar Pradesh Adhiniyam Sankhya 17 of 2002) as passed by the Uttar Pradesh Legislature and assented to by the Governor on September 13, 2002:-

#### THE UTTAR PRADESH KRISHI UTPADAN MANDI SAMITIS (ALPAKALIK VYAVASTHA) (SANSHODHAN) ADHINIYAM, 2002

#### 

(As passed by the Uttar Pradesh Legislature)

AN ACT

further to amend the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) Adhiniyam, 1972.

IT IS HEREBY enacted in the Fifty-third Year of the Republic of India as follows:-

1. (1) This Act may be called the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) (Sanshodhan) Adhiniyam, 2002.

(2) It shall be deemed to have come into force on December 24, 2001.

2. In section 2 of the Uttar Pradesh Krishi\_Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) Adhiniyam, 1972, hereinafter referred to as the principal Act, in sub-section (1) for the words and figures "till December 31, 2001" the words and figures "till March 31, 2003" shall be substituted.

3. For the removal of doubts, it is hereby declared that the powers, functions and duties of a Market Committee, its Chairman and Vice-Chairman, vested in the District Magistrate concerned under section 2 of the principal Act immediately before January 1, 2002, shall be deemed to have validly continued to be so vested in such District Magistrate and anything done or any action taken by the District Magistrate in exercise, performance and discharge of the said powers, functions and duties at any time on or after January 1, 2002, shall be deemed to be valid as if the provisions of the principal Act as amended by this Act were in force at all material times. Short title and commencement

Amendment of section 2 of U.P. Act no. 7 of 1972

Validation

U.P. Ordinance no. 25 of 4. (1) The Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) (Sanshodhan) Adhyadesh, 2001 is hereby repealed.

Repeal and saving

(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the provisions of the principal Act as amended by the Ordinance referred to in sub-section (1) shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of the principal Act as amended by this Act as if the provisions of this Act were in force at all meterial times.

> By order, R.B. RAO, Sachiv.

#### STATEMENT OF OBJECTS AND REASONS

The Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) Adhiniyam, 1972 (U.P. Act no. 7 of 1972) was amended by the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) (Sansodhan) Adhiniyam, 1997 (U.P. Act no. 5 of 1997) to provide that till December 31, 1998 or until the constitution of an elected Mandi Samiti under section 13 of the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Adhiniyam, 1964 whichever is earlier, all powers, functions and duties of the Market Committees shall be exercised, performed and discharged by an eleven member *ad-hoc* Committee to be nominated by the State Government and until the nomination of such *ad-hoc* Committee, all powers, functions and duties of a Market Committee. its Chairman and Vice-Chairman shall be exercised, performed and discharged by the District Magistrate. The said period was extended from December 31, 1998 to December 31, 2000 by the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) (Sanshodhan) Adhiniyam, 1999, and from December 31, 2000 to December 31, 2001 by the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) (Sanshodhan) Adhiniyam, 2001.

Since the aforesaid arrangement was to expire on December 31, 2001 and the election of Market Committees could not be held, it was decided to extend the period of the said arrangement till December 31, 2002 by amending the said Adhiniyam of 1972.

Since the State Legislature was not in session the Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) (Sanshodhan) Adhyadesh, 2001, (U.P. Ordinance no. 25 of 2001) was promulgated by the Governor on December 24, 2001 to implement the aforesaid decision. The said Ordinance no. 25 of 2001 was lapsed after expiry of six weeks from March 8, 2002 the date of proclamation of President's rule in the State and the Parliament being in session.

It has now been decided to amend the aforesaid Act of 1972 to extend the term of the aforesaid arrangement till March 31, 2003 and to validate the things done and actions taken by the District Magistrates on or after January 1, 2002.

The Uttar Pradesh Krishi Utpadan Mandi Samitis (Alpakalik Vyavastha) (Sanshodhan) Vidheyak, 2002 is introduced accordingly.

Ń

1.11